



HINDUSTANI ACADEMY

Hindi Section

Library No. 1064

Date of Receipt. 19/11/28

॥ श्री गोरवामी तुलसीदास कृत ॥

रामचरित-मानस (रामायण)

द्वितीय सोपान

अयोध्याकाण्ड

श्री विनायकी टीका सहित

जो

वाच्यार्थ, व्यंग्यार्थ, गूढार्थपूरित, शब्दालंकार
और अर्थालंकार अलंकृत तथा विविध
कविवरवाणीविभूषित है.

जिसे

सागर निवासी

स्वर्गीय

साहित्य भूषण पं० विनायकराव कवि "नायक"

असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट रेनिङ्ग इंस्टिट्यूशन जबलपुर ने

रच कर प्रकाशित किया

" कर्मवीर प्रेम " जबलपुर में मुद्रित हुआ ।

तीसरी बार

१००० प्रति

सम्वत् १९८१

सन १९२४ ईस्वी

न्यौछावर

॥॥॥